



आधुनिक जीवनशैली



नौकरी तनाव



अनुचित आहार



जंक फूड, तेल का,
मसालेदार, बाहरका खाना



बिमारी



वृद्धावस्था की
समस्याएँ

स्वास्थ्य की बढ़ती समस्याएँ

सामान्य मनुष्य उलझन में ⇒

एक ही पूर्ण उपाय ⇒



नॅचरामोअर क्या है ?



५००० वर्षोंसे चलरही
आयुर्वेदिक परंपरा



सुरेख संगम



नयी नॅनो टेक्नॉलॉजी



घटक पदार्थ-

- सोया प्रोटीन आयसोलेट
- ऐलो वेरा एक्सट्र्याक्ट
- ओमेगा ३ डि.एच.ए.
- विटामिन्स
- मिनरल्स

उपरके सभी घटक पदार्थ जो अपने शरीर को तंदुरुस्त रखते हैं।

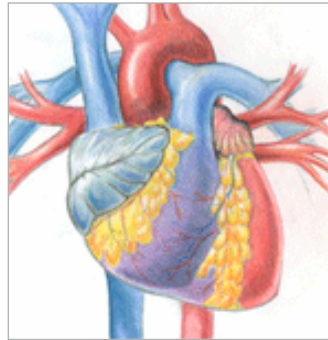


दिल के दौरे

नॅचरामोअर में सोया आयसोलेट का उपयोग



लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (LDL)
कम करती है
(बुरा कोलेस्ट्रॉल)



हाय डेनसिटी लिपोप्रोटीन (HDL)
बढाती है
(अच्छा कोलेस्ट्रॉल)

- दिल के दौरे से संरक्षण
- दिलका टॉनिक
- रक्त कोशिका में जमा होने वाला LDL जिससे दिल का दौरा आता है उसे कम करता है।

स्त्रियाओंकी समस्याएँ-

नॅचरामोअर में सोया आयसोलेट का उपयोग

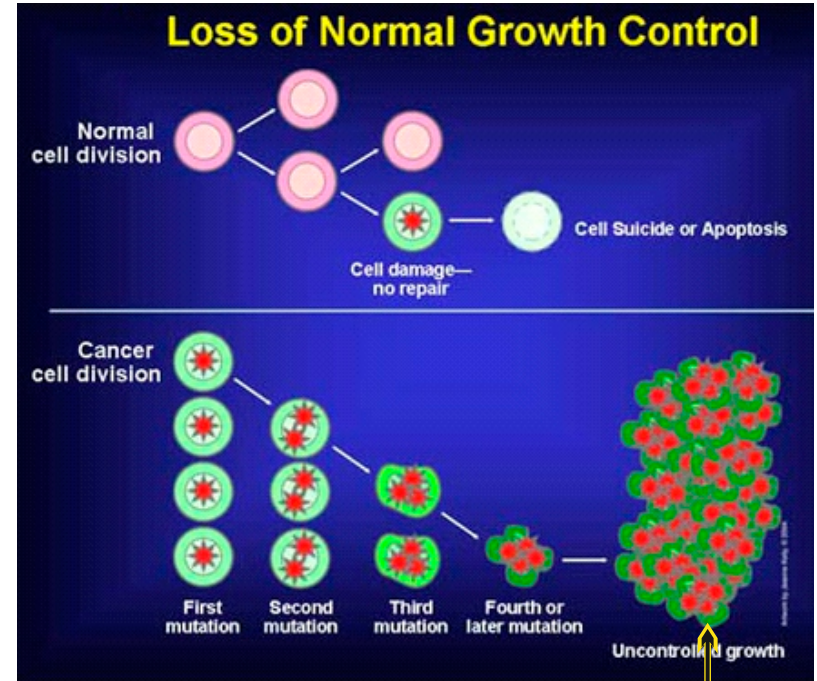
- मासिक पाळीसाठी उपयुक्त हार्मोन्सचा (संप्रेरक) समतोल राखते.
- मासिक पाळी वेळेवर होण्यास मदत होते.
- पाळी जाण्याच्या वेळी (वय ४५ ते ५५ वर्षे) निर्माण होणाऱ्या समस्यांमध्ये मदत करते.
- कॅल्शियम का चयापचय होणे में मदद करता है जिससे हड्डियाँ मजबूत होती है और अस्थिसुषीरता नाही होती
- आयर्नका चयापचय होणे में मदद करता है जिससे रक्ताल्पता कम होती है और अवेळी, अनियमित पाळी यामध्ये उपयोग होतो.



कॅन्सर—

नॅचरामोअर में सोया आयसोलेट का उपयोग

- स्वस्थ लोगोंमें कोशिकाओं के विभाजनावर शरीराचे नियंत्रण असते.
- कॅन्सर के व्यक्तियों में कोशिकाओं के विभजनपर शरीरका नियंत्रण नहीं रहता इसलिए वह बढ़के उसकी गांठ होती है।
- नॅचरामोअर कॅन्सरकी गांठ निकाल नहीं सकता पर कॅन्सरके कोशिकाओं के विभजनपर नियंत्रण लानेमें मदत करता है। इसवजहसे कॅन्सर पे अपनेआप नियंत्रण आता है।



कॅन्सरकी गांठ

मधुमेह-

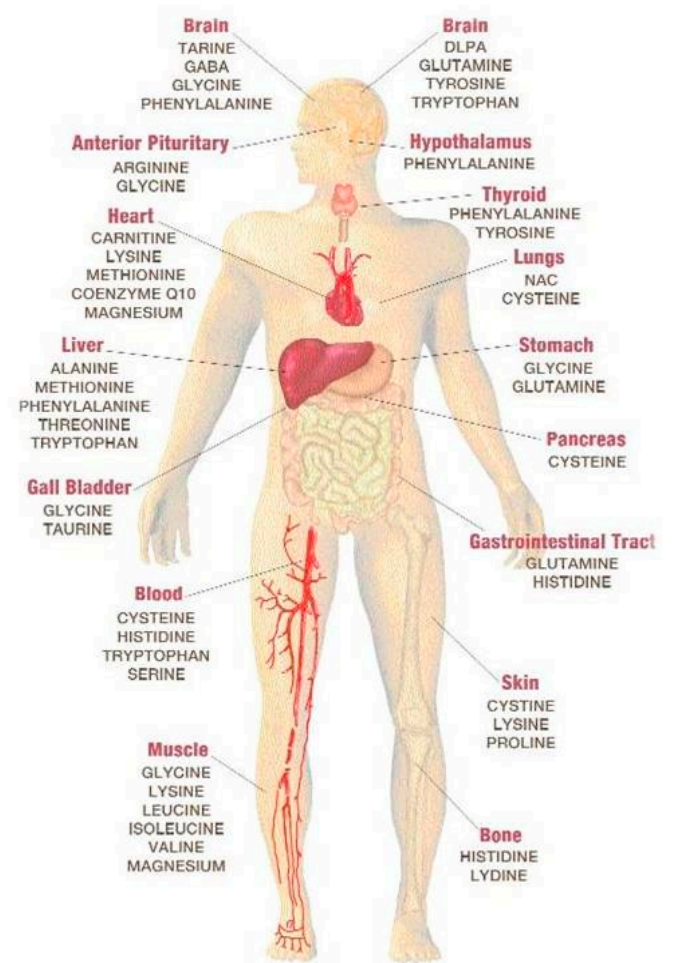
नॅचरामोअर में सोया आयसोलेट एवं ऐलो वेरा एक्सट्र्याक्ट का उपयोग

- जो अन्न ग्रहण किया जाता है उससे शरीर में शक्कर निर्माण होती है।
- खून में शक्कर की मात्रा बढ़ती है तब मधुमेह होता है।
- पॅन्क्रिया (अग्नाशय) इन्सुलिन संप्रेरक स्त्रवते.
- इन्सुलिन शक्कर नियंत्रित करता है।
- नॅचरामोअर पॅन्क्रिया को ताकद देता है इससे भविष्यमें इन्सुलिन स्त्रवणे बढ़ सकता है।
- नॅचरामोअर खून में शक्कर का प्रमाण कम करने में मदत करता है।
- 'नॅचरामोअर' मधुमेह से आनेवाली थकान, कमजोरी इत्यादी लक्षणों को कम करते है। इससे मधुमेही रुग्ण तंदूरुस्त होणेमें मदत होती है।



नॅचरामोअर में अमायनो अॅसिडस् का उपयोग

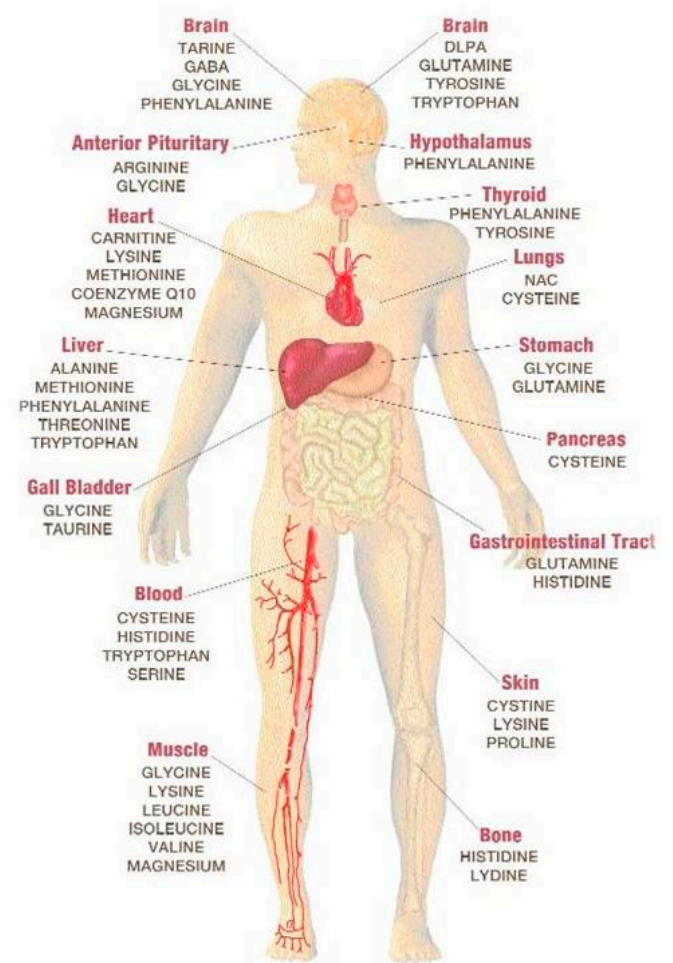
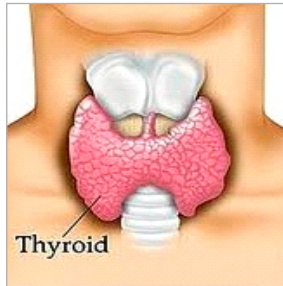
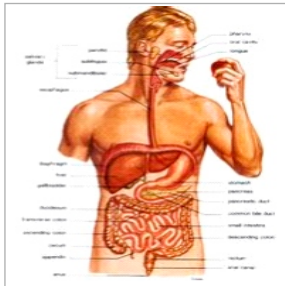
- शरीर संघटन का काम करता है और शरीरको अच्छीतरह बढ़ने में मदद करता है।
- शरीर के हर एक हिस्से को उसकी जरूरत होती है।
- हड्डियों की मजबूती इसपर निर्भर रहती है।
- **अस्थिसुधीरता, हाडांचा ठिसूळपणा यापासून वाचवते.**
- कोलेस्ट्रॉल कम करता है, दिल के टॉनिक का काम करता है।
- मस्तिष्क के कोशिकोओं को ताकत देता है।



Source: Healing with Amino Acids, Pain and Stress Publications 1998.

नॅचरामोअर में अमायनो अॅसिडस् का उपयोग

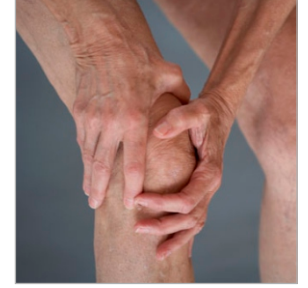
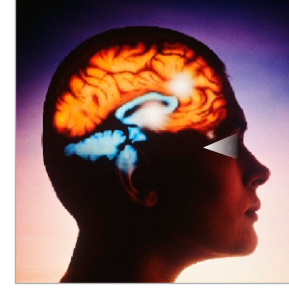
- लाल एवं सफेद कोशिकाओं की संख्या बढ़ाता है।
- अॅनिमिया से दूर रखता है।
- रोगप्रतिकारक क्षमता बढ़ाता है।
- अन्न हजम करने में मदद करता है, शरीर के पोषणतत्वों की कमतरता पुरा करता है और शरीर स्वस्थ करता है।
- शरीराकी चयापचय कार्य सुधारता है।
- थायरॉईड संप्रेरकाचा समतोल ठेवण्यास मदत करते.



Source: Healing with Amino Acids, Pain and Stress Publications 1998.

नॅचरामोअर में ओमेगा ३ डी.एच.ए. चा उपयोग

- ओमेगा ३ डी.एच.ए. शरीर में निर्माण नहीं होता।
- मस्तिष्क ५०% और आँखोंमें ८०% ओमेगा ३ डी.एच.ए. होता है।
- सन्धिशोध एवं आमवात के लिए उपयोगी।
- मोटापण कम करने में उपयोगी।
- त्वचा विकारों में उपयोगी।
- मानसिक तणावात में उपयोगी।
- मस्तिष्क का विकास होने में उपयोगी।
- निराशा, उदासीपण से बाहर निकलने में मदत करता है।



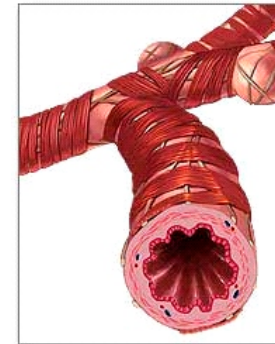
अस्थमा—

नॅचरामोअर में ओमेगा ३ डी.एच.ए. चा उपयोग

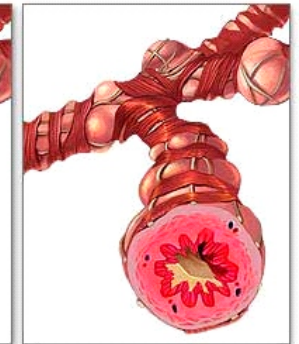
- साँस नलिकाओं के भीतर केमिकल्स **स्त्रवली** जातात.
- इससे साँस नलिका में खाली जगह निर्माण होती है और साँस लेने में दिक्कत होती है, साँस फुलती है।
- नॅचरामोअर साँस नलिकाओं में केमिकल्स **स्त्रवण्यावर** नियंत्रण रखने में मदद करता है।
- इससे साँस नलिकाकी खाली जगह कम होने में मदद होती है और साँस फुलना कम होता है।



Normal bronchiole



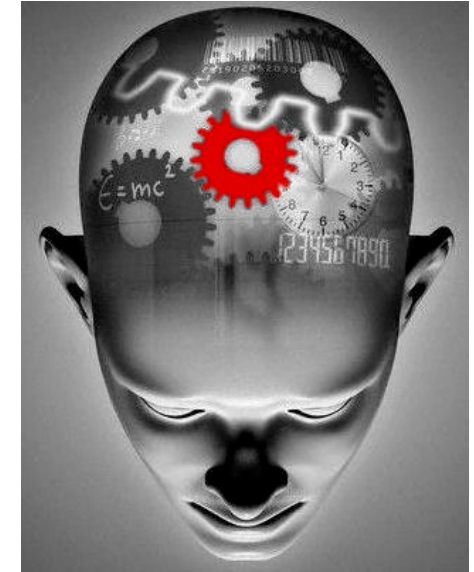
Asthmatic bronchiole



बच्चों के मस्तिष्क का विकास-

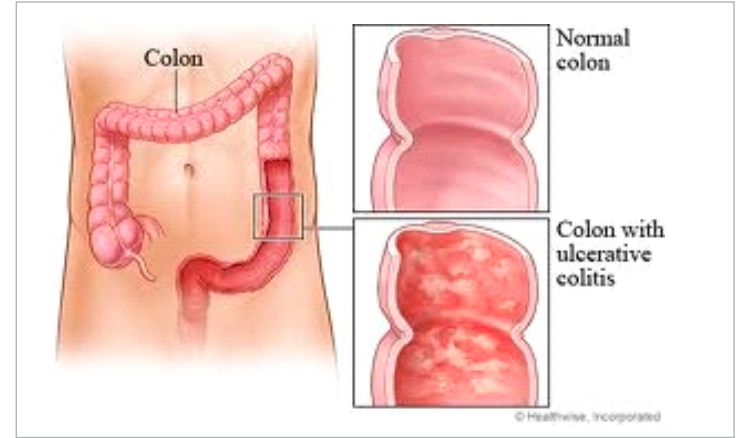
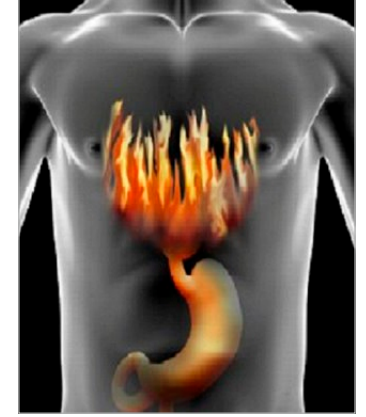
नॅचरामोअर में ओमेगा ३ डी.एच.ए. चा उपयोग

- ज्ञान क्षमता वाढती है।
- सिखाया हुआ समजणे की क्षमता वाढती है।
- सिखाला हुआ समय - समय पर याद रखने की क्षमता बढाता है।
- किस समय क्या बोलें और क्या लिखें इसकी क्षमता बढाता है।
- स्मरणशक्ती, आकलनशक्ती एवं विश्लेषण करने की क्षमता को बढाता है।



नॅचरामोअर में ऐलो वेरा एक्सट्र्याक्ट का उपयोग-

- आय.बी.डी. आय.बी.एस्. यह आतड्यांचे सिंड्रोम कमी करते.
- शरीराची चयापचय व शोषण क्षमता वाढवते. त्यामुळे समतोल आहार घेऊनही अशक्त असण्याच्या लोकांना खूपच फायदा होतो.
- पेट में ऑसिडस की मात्रा का समतोल रखता है।
- अॅसिडीटी कम करने में मदद करता है।
- आतड्यांचे अल्सर कमी करण्यास मदत करते.



नॅचरामोअर- विटामिन्स्

विटामिन	स्रोत	उपयोग	कमी
<p>विटामिन अ</p> <p>पुरुष: ३ ००० आय.यु. स्त्री: २ ७०० आय.यु.</p>	<ul style="list-style-type: none"> • लिवर • दूध • हरीभरी सब्जियाँ • लाल फल आणि सब्जियाँ 	<ul style="list-style-type: none"> • आँखों के लिए उपयोगी • त्वचा • रोगप्रतिकारक शक्ति बढ़ाने के लिए। • बाल, हड्डियाँ और दातोंकी देखभाल के लिए। 	<ul style="list-style-type: none"> • रात का अंधापन • बाल बढ़ना कम • भूख न लगना • रुखी त्वचा • बार-बार संसर्ग होना
<p>विटामिन डी</p> <p>पुरुष: १०० आय.यु. स्त्री: १०० आय.यु.</p>	<ul style="list-style-type: none"> • अंडे की जर्दी • दूध • सुर्य किरण 	<ul style="list-style-type: none"> • बाल, हड्डियाँ और दातोंकी देखभाल और मजबूती के लिए। • कॅल्शियम सोखने के लिए। 	<ul style="list-style-type: none"> • बच्चों की त्वचा रुखी होना • वयस्क व्यक्तियों में हड्डियाँ नरम होना। • ऑस्टियोपोरोसिस
<p>विटामिन इ</p> <p>पुरुष: ९ - १० एम.जी. स्त्री: ६ - ७ एम.जी.</p>	<ul style="list-style-type: none"> • मका एवं सरकी तेल • बटर, भूरे रंग के चावल • सोयाबिन तेल • सिंगदाणा, गेन्हू का आटा 	<ul style="list-style-type: none"> • अँटिऑक्सिडंट • लाल रक्त कोशिका, मांसपेशियाँ, हड्डियाँ और पेशियों के लिए उपयोगी। 	<ul style="list-style-type: none"> • शरीर क्रियमें दोष • अँटिऑक्सिडेंट

नॅचरामोअर- विटामिन्स्

विटामिन	स्त्रोत	उपयोग	कमी
<p>विटामिन सी</p> <p>पुरुष: ४० एम.जी. स्त्री: ३० एम.जी.</p>	<ul style="list-style-type: none"> निंबू, संत्रा, मोसंबी इत्यादी फल स्ट्रॉबेरी बोरोसिल 	<ul style="list-style-type: none"> अँटिऑक्सीडेंट रक्त वाहिनियों की दिवारों को मजबूत करना स्वस्थ मसूडों का राखरखाव लोहे का अवशोषण 	<ul style="list-style-type: none"> मांसपेशियों मे कमजोरी मसूडों में रक्तस्राव दात घिसने में तकलिफ स्कर्वी
<p>विटामिन बी१</p> <p>पुरुष: ०.८ - १.३ एम.जी. स्त्री: ०.८ एम.जी.</p>	<ul style="list-style-type: none"> सुरजमुखी फुल बीज सूअर का मांस साबुत अनाज सूखे सेम 	<ul style="list-style-type: none"> कार्बोहाइड्रेट चयापचय मांसपेशी समन्वय शरीर में उत्साह निर्माण करना 	<ul style="list-style-type: none"> मानसिक ताण-तणाव/निराशा मांसपेशियों में एंठन भूख न लगना बेरीबेरी
<p>विटामिन बी२</p> <p>पुरुष: १.३ - १.६ एम.जी. स्त्री: १.१ एम.जी.</p>	<ul style="list-style-type: none"> लिवर दूध पालक 	<ul style="list-style-type: none"> कार्बोहाइड्रेट चयापचय मांसपेशी समन्वय शरीर में उत्साह निर्माण करना बी६ और बी३ के कार्य के लिए आवश्यक 	<ul style="list-style-type: none"> मुंह और नाक के चारों ओर दरारें और घांव दृश्य समस्याओं

नॅचरामोअर- विटामिन्स्

विटामिन	स्रोत	उपयोग	कमी
विटामिन बी६ पुरुष: १.६ एम.जी. स्त्री: १.५ एम.जी.	<ul style="list-style-type: none">मांसाहारी पदार्थब्रोकोलीकेला	<ul style="list-style-type: none">प्रोटीन चयापचय और अवशोषणकार्बोहाईड्रेट चयापचयलाल रक्त कोशिकाओं को मददमस्तिष्क के कार्य को बढ़ावा	<ul style="list-style-type: none">अॅनिमियाखुजली, स्केलिंग, त्वचा के धब्बेआक्षेप
विटामिन बी१२ पुरुष: २ एम.सी.जी. स्त्री: २ एम.सी.जी.	<ul style="list-style-type: none">मांसाहारी पदार्थ	<ul style="list-style-type: none">लाल रक्त कोशिकाओं में मददआनुवंशिक (जेनेटिक) सामग्री बनाता है	<ul style="list-style-type: none">आरक्ततामस्तिष्क नस (नर्व्ह) की हानी

नॅचरामोअर- खनिज द्रव्य

विटामिन	स्त्रोत	उपयोग	कमी
<p>आर्यन (लोह)</p> <p>पुरुष: ८ - १० एम.जी. स्त्री: ८ - १३ एम.जी.</p>	<ul style="list-style-type: none"> मांसाहारी पदार्थ साबुत अनाज 	<ul style="list-style-type: none"> हिमोग्लोबिन गठन 	<ul style="list-style-type: none"> त्वचा पीलापन कमजोरी सिरदर्द रक्ताल्पता
<p>झिंक</p> <p>पुरुष: १२ एम.जी. स्त्री: ९ एम.जी.</p>	<ul style="list-style-type: none"> मांसाहारी पदार्थ साबुत अनाज, सिंगदाणा 	<ul style="list-style-type: none"> एंजाइमों गठन 	<ul style="list-style-type: none"> घाव धीमी गति से भरणा स्वाद की हानि मंद विकास बच्चों में यौन विकास देरी
<p>कॅल्शियम</p> <p>पुरुष: ८०० - १००० एम.जी. स्त्री: ७०० - ८०० एम.जी.</p>	<ul style="list-style-type: none"> दूध दही चीज़ पत्तेदार सब्जियां 	<ul style="list-style-type: none"> हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद मांसपेशी और नस के कार्यों को बढ़ावा खून का थक्का करने में मदद अन्न चयापचय 	<ul style="list-style-type: none"> हड्डियाँ नरम होना वयस्कों में ऑस्टियोपोरोसिस

नॅचरामोअर कौन कौन ले सकता है?

- पूरा परिवार
- स्कुल के बच्चे, खिलाडी
- वयस्क व्यक्ती
- अधिक काम करने वाले व्यक्ती
- सभी उम्र की स्त्री
- कमजोर, बीमार व्यक्ती
- याने के परिवार के सभी लोग



नॅचरामोअर कैसे लें ?

- नॅचरामोअर घेण्यास कोणतेही पथ्य नाही.
- मोटापन, मधुमेह, अस्थमा की व्यक्ती नॅचरामोअर गुनगुने पाणी में १ चम्मच सुबह नाश्ते से पहले लें।
- बाकी लोग नॅचरामोअर १ चम्मच दूध में, फल के रस में और वैसेही पावडर स्वरुप ले सकते है।
- नॅचरामोअर शुरु करने में इतर रोग की दवाइयाँ बंद करने की जरूरत नहीं।
- नॅचरामोअर लेने के बाद अंगाला चट्टे उठणे, खाज येणे, उलट्या होणे इत्यादी अॅलर्जीची लक्षणे आहेत.

